

## चुकन्दर (सूगरबीट)

### किस्में

रोमनस्काया जड़ें लम्बी, मूली की तरह, जड़ों का अन्दर का भाग सफेद, शर्करा 16—18 प्रतिशत, जड़ें 140 से 150 दिन में तैयार, औसत उपज 150—190 क्विंटल प्रति हैक्टेयर (12—15 क्विंटल प्रति बीघा), ऊँचाई वाले शुष्क पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त बीज किस्म।

बुआई का समय ऊँचे पर्वतीय क्षेत्र जून

बीज की मात्रा 6—8 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर  
(480—640 ग्राम प्रति बीघा)

अन्तर जड़ की फसल 45X10 सें.मी.  
बीज की फसल 60X30 सें.मी.

### खाद एवं उर्वरक

	प्रति हैक्टेयर	प्रति बीघा
गोबर की खाद	100 क्विंटल	8 क्विंटल
कैन	400 कि.ग्रा.	32 कि.ग्रा.
सुपर फॉस्फेट	300 कि.ग्रा.	24 कि.ग्रा.
म्यूरेट ऑफ पोटाश	50 कि.ग्रा.	4 कि.ग्रा.

गोबर की खाद, सुपर फॉस्फेट, म्यूरेट ऑफ पोटाश की कुल मात्रा तथा कैन की आधी मात्रा खेत तैयार करते समय डालें। कैन का शेष भाग बुआई के दो मास बाद, जब जड़ें बनने लगें, तब डालें।

### बीजोत्पादन

चुकन्दर की जड़ें मध्य अक्टूबर तक तैयार हो जाती हैं। बीज तैयार करने के लिए जातीय गुण वाली पकी हुई जड़ें ही उखाड़ें। कल्पा में चुनी हुई जड़ों का भण्डारण (शलगम की तरह ही) खतियों में किया जाता है जबकि कटराई क्षेत्र में अक्टूबर में जड़ों को उखाड़ कर उसी समय खेतों में लगा दिया जाता है।

### रोगिंग

अच्छे बीज उत्पादन के लिए फसल का तीन बार निरीक्षण किया जाता है:

1. आरम्भिक अवस्था में अवांछनीय पौधों को निकाल दिया जाता है।
2. जड़ों की पुनः रोपाई करते समय उनके गुणों जैसे आकार, बनावट, छिलका तथा गूदे का रंग आदि देखा जाता है।
3. फूलते समय शीघ्र फूलने वाले पौधे व पालक, स्विस् चार्ड आदि के पौधों की छंटनी की जाती है।

### खाद एवं उर्वरक

	प्रति हैक्टेयर	प्रति बीघा
गोबर की खाद	100 किंवटल	8 किंवटल
कैन	400 कि.ग्रा.	32 कि.ग्रा.
सुपर फॉस्फेट	300 कि.ग्रा.	24 कि.ग्रा.
म्यूरेंट ऑफ पोटाश	50 कि.ग्रा.	4 कि.ग्रा.

गोबर की खाद, सुपर फॉस्फेट, म्यूरेंट ऑफ पोटाश की कुल मात्रा खेत तैयार करते ही मिट्टी में मिला दें। कैन की आधी मात्रा बोल्टिंग के समय और बाकी आधी मात्रा फूल आने पर डालें।

### पृथकीकरण

शुध बीज प्राप्त करने के लिए इसकी दूसरी किस्में तथा अन्य फसलें जैसे पालक, स्विस् चार्ड आदि को 1000 से 1600 मीटर तक के अन्तर पर लगायें, तभी प्रमाणित तथा आधार बीज प्राप्त कर सकते हैं।

### कटाई

बीज फसल अगस्त—सितम्बर तक तैयार हो जाती है। पकने पर इसकी शाखाओं से बीज झाड़ कर एकत्र करें। बीज की सफाई करके तथा उसे सुखाकर उसका सुरक्षित भण्डारण करें।

**बीज प्राप्ति**      1200 से 1500 कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर  
(100—120 कि.ग्रा. प्रति बीघा)